प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

15 फरवरी, 2015

पुस्तकों का संसार...रोमांचक बना रविवार

आज रविवार के दिन नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली। यह देखकर प्रसन्नता होती है कि आज भी लोगों में पुस्तक के प्रति उत्साह बरकरार है।

''हालाँकि प्रकाशन उद्योग के लिए 'डिजिटल पब्लिशिंग' एक अच्छा उपकरण है, परंतु मुद्रित पुस्तकों का अस्तित्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। वास्तव में मुद्रित पुस्तकें तथा डिजिटल पुस्तकों को एक–दूसरे के पूरक के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।'' ये विचार फिक्की के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'सीईओ स्पीक ओवर चेयरमैन'स ब्रेकफास्ट, 2015 कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम में प्रकाशन उद्योग के लगभग 130 सीईओ ने भाग लिया जिनमें शामिल हैं : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन, आईईए, दक्षिण एशिया, श्री विराट भाटिया; पार्टनर, साई कृष्ण एण्ड एसोसिएट्स, श्री अमित दत्ता; निदेशक, कोरियन कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली, श्री किम कुम यॉन्ग; नेशनल आर्ट्स कांउसिल, सिंगापुर के सीईओ, श्री केथी लाल; एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर; रीड एलज़ेवियर प्राइवेट लि. के सलाहकार, श्री रोहित कुमार; हार्पर कॉलिंस पब्लिशर्स, इंडिया की मुख्य संपादक कार्तिका वी.के. तथा वर्ल्ड रीडर, सलाहकार, श्री भानू पोटा आदि।

बाल मंडप में आयोजित गतिविधियाँ

पुस्तक मेले हॉल सं. 7 में लगा बाल मंडप आज अनेक गतिविधियों का साक्षी रहा। यहाँ वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया द्वारा 'कॉर्टून तथा कॉमिक्स' विषय पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें प्रसिद्ध बच्चों के लेखक आबिद सुरती तथा शरद शर्मा उपस्थित थे। बच्चों के लेखक आबिद सुरती ने नन्हें बच्चों को उनकी ही भाषा में कहानियाँ सुनाईं तथा उन्हें अनेक रोचक गतिविधियों में शामिल किया। एनबीटी तथा नवरत्न फाउंडेशन द्वारा उपनिषद की कहानियों पर आधारित भारतीय लोक संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का संचालन अशोक श्रीवास्तव द्वारा किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों द्वारा रंग–बिरंगी पोशाकों में रंगारंग लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। इन बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति देखकर मंडप पर उपस्थित पुस्तक प्रेमियों व आगंतुकों बच्चों के साथ थिरकते नजर आए।

बाल मंडप पर सावन कृपाल रूहानी मिशन की प्रस्तुति, संवादात्मक कथावाचन, के अंतर्गत उषा उद्दार, अंजू नायर और दिवेश त्रिवेदी ने बच्चों को कथाएँ सुनाकर उन कहानियों में नई बातें

जोड़ने या कहानी का अंत बदलने को कहा जिसे बच्चों ने काफी आंनद लेकर किया। रवीन्द्रनाथ टेगौर के नाटक 'काबुलीवाला' का मंचन बाल मंडप की एक अन्य गतिविधि रही। कबीर के दोहों पर कठपुतली प्रदर्शन को देखकर बच्चों ने खूब आनंद उठाया। यह प्रस्तुति जौली जलालुद्दीन के निर्देशन में चिल्ड्रन'स क्रिएटिव क्लब की थी। यहाँ ओपेन डोर्स ने लेखन के लिए मल्टीमीडिया के उपयोग पर विमर्श आयोजित किया जिसमें चार विमर्शकर्त्ता शामिल थीं।

लेखक एवं साहित्य मंच पर आयोजित साहित्यिक गतिविधियाँ

दलित लेखक संगठन द्वारा 'दलित स्त्रीवाद और उसकी चुनौतियाँ' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें सुमित्रा महरोल, अनिता भारती, कबितेन्द्र इंदु, नूतन यादव शामिल थीं। कार्यक्रम का संचालन आलोचक एवं रचनाकार कवितेंद्र इन्दु ने किया। यहाँ दलित स्त्रीवाद की चुनौतियों पर चर्चा की गई।

आज हॉल सं. 12 में बने लेखक मंच पर डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रकाश मनु की पुस्तक ''शौर्य और बलिदान की कहानियाँ'' का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर अनेक हिंदी रचनाकार उपस्थित थे जिसमें डॉ. प्रकाश मनु, डॉ. सुनीता, श्री नरेंद्र कुमार वर्मा, रमेश तैलंग, गिरिराज शरण अग्रवाल तथा अखिलेश श्रीवास्तव शामिल हैं।

लेखक मंच पर डायमंड बुक्स द्वारा पुस्तकों का लोकार्पण किया गया जिनमें शामिल पुस्तकें हैं : भारत के 51 युग प्रवर्त्तक वैज्ञानिक (प्रकाश मनु), बाइबल की अनोखी कहानियाँ (प्रकाश मनु) तथा बच्चों की जातक कथाएँ, (डॉ. सुनीता)।

'इंग्लिश से हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद कैसे करें?' विषय पर आधारित पुस्तक 'इंटरनेशनल हिंदी का कॉन्सेप्ट' का लोकार्पण तथा चर्चा का आयोजन हुआ जिसमें पुस्तक के लेखक पी. मधुसूदन नायडू के अतिरिक्त डॉ. शशि सहगल, आशीष कंधवे तथा रमेश आर्य ने भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रताप सहगल ने की।

कंत दर्शन पब्लिकेशंस की पुस्तक 'परमार्थिक सत्संग' तथा 'यूसुफ जेहायार' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक के लेखक एच.एच. महाराज घसीटा राम के अतिरिक्त महारानी अमरजीत कौर, मनीषा बत्रा, स्वदेश भूषण तथा लीलाधर मंडलोई जैसे लेखक व चिंतकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विदेशी मंडप

मेले में फोकस देश दक्षिण कोरिया द्वारा विदेशी मंडप के इंवेट्स कॉर्नर पर भारत और द. कोरिया के कवियों का रचना पाठ आयोजित किया गया जिसमें कविगण थे : के. श्रीलता एवं प्रो. दिविक रमेश

तथा कोरियाई कवि चोसुन्धो एवं चोई न्योंग्ते। यहाँ चोई ज्योंग्रे द्वारा अपने कविताओं का कोरियाई तथा अँग्रेजी भाषा में पाठ किया गया तथा यहाँ उपस्थित भारतीय कवि दिविक रमेश द्वारा इन कविताओं का हिंदी भाषा में अनुवाद प्रस्तुत किया गया।

सिंगापुर पेवैलियन में जोसेफाइन चिया एवं रोज़मेरी सोमैया ने सिंगापुर की विरासत एवं संस्कृति से पुस्तक प्रेमियों को रूबरू करवाया। जोसेफाइन ने अपनी पुस्तकों के बारे में भी दर्शकों से चर्चा की जिसमें प्रमुख हैं : 'फ्रॉग अण्डर ए कोकोनेट शैल ।

भारतीय मूल की 'रोजमेरी सोमैया' ने भी अपनी पुस्तकों के बारे में चर्चा की जिनमें से प्रमुख पुस्तकें थीं: 'गेटवे टू सिंगापुर क्लचर', 'क्लर्स ऑफ हारमनी'।

थीम मंडप

मेले में लगे थीम मंडप–'सूर्योदय' में त्रिपुरा के लोक गायक हेमंत जमातिया के साथ फिल्म एवं संगीत समालोचक, उत्पल बोरपुजारी की बातचीत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लोक गायक हेमंत जमातिया द्वारा त्रिपुरा में तथा कोकबोराक भाषा में प्रसिद्ध संगीत प्रस्तुत किया गया। उन्होंने यहाँ उपस्थित सभी श्रोताओं को कोकबोराक भाषा में 'लोरी' सुनाकर प्रसन्न कर दिया।

थीम मंडप में एनबीटी द्वारा 'पूर्वोत्तर की समझ, बदलते परिप्रेक्ष्य' पर आधारित एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें पैनलिस्ट के रूप में डॉ. निम्मी कुरियन, संदीप फुकन, डॉ. जॉय एल के पचुआ तथा प्रो. संजय हजारिका उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संजय हजारिका ने की।

हॉल सं 6 के सेमिनार हॉल नं. 1 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास तथा गोयथे इंस्टीट्यूट द्वारा अनुवाद कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें जर्मनी से आई अनुवादक केटी डेर्नीशायर तथा भारत के अनुवाद अरुणावा सिन्हा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे अरुणावा सिन्हा ने विभिन्न समूहों को जर्मन भाषा से अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में आए भागीदारों द्वारा अनुवाद करने का सफल प्रयास भी किया गया। इस कार्यक्रम का दूसरा सत्र अनुवाद अधिकारों तथा अनुबंधों की जानकारी पर आधारित था। इसका संचालन जर्मनी के श्री रेनेट रिचस्टीम तथा श्री ओटिंगर द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों ने अनुवाद अधिकारों तथा उनके अनुबंधों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।